ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

पर्यावरण विज्ञान विभाग

डा0 यशवन्त सिंह परमार औद्यानिकी एवम् वानिकी विश्वविद्यालय, नौणी, सोलन

भारत मौसम विज्ञान विभाग, भू-विज्ञान मंत्रालय

(भारत सरकार)

मौसम और कृषि दृष्टिकोण

Tel: +91-1792-252706 ; e-mails: Jangra_ms@live.com, hodevs@yspuniversity.ac.in

वर्ष: 24 अंक: 148 अवधि: 10-15 अक्तूबर दिनांक: 09-10-2018

शिमला, सोलन, सिरमौर व बिलासपुर जिलों के मौसम का पूर्वानुमान

पिछले सप्ताह का मौसम: पिछले सप्ताह सभी जिलों में मौसम परिवर्तनशील रहा। दिन व रात का तापमान सामान्य से कम रहे।

आने वाले पांच दिनों के मौसम का पूर्वानुमान

अगले पांच दिनो में मौसम साफ व शुष्क रहने व दिन व रात के तापमान में 1-2 डि सै की कमी होने की संभावना है। हवा पूवी-उतर-पूवी दिशा से 4 से 9 कि.मी. प्रति घण्टा की गति से चलने तथा औसतन सापेक्षित आर्द्रता 22-65 प्रतिशत तक रहने की संम्भावना है।

सप्ताहिक कृषि कार्य

बागवानी सम्बंधित कार्य:

सेब के बागवानों को सलाह दी जाती है कि फल तोड़ने के उपरान्त वूली ऐफिड तथा जड़ छेदक कीड़े की रोकथाम हेतू पौधे के तौलिये में क्लोरपायरीफॉस डरसबान/डरमेट/फोर्स/मासबान/नेवीगेटर 400 मिलीलीटर प्रति ली. पानी में घोल बना कर ड्रेंच करें।आम फल में यादि मालफारमेशन गुछा रोग का आक्रमण दिखाई दे तो के. एम.एस 120 ग्राम या एन. ए ए. 40 मि.ली प्रति 200 ली.पानी का घोल बनाकर छिड़काव करें।

सब्जी फसलों सम्बंधित कार्य :

मटर में राइज़ोबियम मिक्सचर का इस्तेमाल 20 ग्राम / किलों बीज का मात्रा से बुआई करने से पूर्व करें।फ्रासबीन पैसिल बीन में रतुआ रोग की रोकथाम हेतु हैक्साकोनाजोल कोन्टॉफ 15 मिलीलीटर/15 लीटर पानी के घोल का छिड़काव करें।

खुम्ब उत्पादन सम्बंधित कार्य:

निचले तथा मध्यवर्ती क्षेत्रों में श्वेत बटन खुम्ब के लिए खाद बनाना शुरू कर दें। श्टिाके खुम्ब का उत्पादन भी लकड़ी के बुरादे पर शुरू किया जाने की सिफारिश की जाती है। ढिंगरी प्रजाति के खुम्बों की खेती के लिए माध्यम तैयार करें तथा उसकी बीजाई स्पॉनिंग करें।

पशुधन सम्बंधित कार्य:

इस मास में दिन व रात के तापमान में अंतर होने के कारण पशुओं में श्वासम **(Pneumoniaa)** बीमारी की सम्भावना बढ़ जाती है। पशुपालकों को रात के समय में पशुओं नवजात बछड़ों को कम तापमान से बचाव की सलाह दी जाती है। नवजात तथा युवा पशुओं को रात के समय सूखी बोरियों से ढक कर रखें। पशुओं के लिये बिछाये जाने वाले घास या भूस के बिछोने को प्रतिदिन बदल दें ताकि गऊशाला का फर्श साफ तथा सूखा रहे।

मौन पालन:

पहाड़ों के कुछ क्षेत्रों में इस समय शहद का प्रवाह होता है तथा उसके अनुसार ही मौनवंशों का प्रबन्ध करें। मौनवंशों में सफाई का ध्यान रखें व तलपटों की विशेषरूप से सफाई करें।

डॉ मोहन सिंह जॉगडा
नोडल ऑफिसर

डॉ सतीश भारद्वाज
विभागाध्यक्ष